RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 19 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 115 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

सड़क पर पालतू जानवरो से गंदगी कराने वालो पर लगेगा दंड

गंदगी उठाने के लिए छड़ी जैसी डिवाइस रखना अनिवार्य

मुंबई : मनपा प्रशासन पालतू जानवर रखने वाले मालिकों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करने जा रही है. पालतू जानवर द्वारा सड़क पर गंदगी किए जाने पर मालिक पर दंडात्मक कार्रवाई होगी। पालतू जानवर के मल का निपटान नहीं करने पर 500 रुपया का दंड भरना पड़ेगा। मनपा प्रशासन ने पालतू जानवरो के मालिकों को गंदगी साफ करने के लिए एक छड़ी जैसी डिवाइस रखना अनिवार्य होगा। यह डिवाइस पालतू जानवरो का मल को बिना छुए आसानी से उठाने का काम करेगी। मनपा मुंबई के सौंदर्यीकरण पर 1700 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।फुटपाथ , डिवाइडर, समुद्र किनारे , चौपाटी , गार्डन, सुरक्षा दीवारें, विरासत स्मारकों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।मनपा ने शहर में साफ-सफाई पर भी जोर दिया है. इसी का एक भाग के रूप में यह देखा जा रहा है कि कई पालतू पशु मालिक पालतू जानवरों के मल का निपटान नहीं करते हैं। सड़क के किनारे मल से शहर में गंदगी होती है। इसलिए मनपा ने मौजूदा दंड प्रणाली को तेज करने का निणर्य लिया है।मनपा के-पश्चिम वार्ड जो अंधेरी पश्चिम में आता है। मनपा की ओर से पालतू जानवर रखने वालो को आगाह किया है कि अगर पालतू जानवरों के कचरे को लावारिस छोड़ दिया जाता है, तो पालतू जानवर मालिक पर 500 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा।

महाराष्ट्र में कैसिनो एक्ट रद्द !

100 रुपये में फिर मिलेगी राशन किट... शिंदे सरकार ने लिए कई बड़े फैसले

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे की अध्यक्षता में आज हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिये गये। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी मौजूद थे। इसमें कैसिनो कानून को निरस्त करना भी शामिल है। राज्य में कैसिनो एक्ट 1976 से अस्तित्व में है। लंबे समय से राज्य में कैसिनो शुरू करने की मांग उठ रही थी। इस मांग को लेकर कुछ लोगों ने कोर्ट का भी रुख किया था। लेकिन अब शिंदे सरकार ने कैबिनेट की बैठक में गृह विभाग ने इस कानून को रद्द करने का फैसला लिया है। इससे पहले उप-मुख्यमंत्री फडणवीस ने मानसून सत्र में इस विधेयक को रद्द करने की घोषणा की थी।

मनसे कामगार सेना के अध्यक्ष मनोज चव्हाण ने कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने राज्य में कैसिनो शुरू करने की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि गोवा, सिक्किम, मकाऊ और नेपाल में कैसिनो के कारण वहां स्थानीय पर्यटन उद्योग विकसित हुआ है। उनके अलावा कई अन्य लोगों ने भी राज्य सरकार से कैसिनो खोलने की मांग की। इस मांग को लेकर कुछ लोग कोर्ट भी गए। लेकिन अब राज्य सरकार ने इस एक्ट को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के राशन कार्डधारकों को गौरी गणपति और दिवाली के लिए 100 रुपये में राशन किट बांटने का निर्णय लिया गया है। इसमें एक किलो सूजी, चना दाल, चीनी, खाना पकाने का तेल दिया जाएगा। एक बयान के मुताबिक, 'आनंदचा सिद्धा' नामक ये पैकेट केवल 100 रुपये में दिए जाएंगे। पिछले साल दिवाली के दौरान भी इसी तरह का पैकेट वितरित किया गया था, लेकिन इसके सीमित वितरण की विपक्ष ने आलोचना की थी। शिंदे सरकार के इस लोकलुभावन कदम से लगभग 1,63,000 पात्र राशन कार्ड धारकों को लाभ होने की उम्मीद है। अत्यधिक गरीब लोगों के लिए बनाई गई केंद्र की अंत्योदय योजना के लाभार्थियों को भी खाद्य का यह पैकेट दिया जाएगा। वहीं, राज्य में औसत से 89 फीसदी बारिश हो चुकी है। पिछले साल औसत का 122.8 फीसदी बारिश हुआ था। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य में बारिश की संभावना जताई है।

मुंबई यूनिवर्सिटी के सीनेट चुनाव पर लगी रोक तो आदित्य ठाकरे बोले- 'सीएम डरपोक हैं'

मुंबई : शिवसेना-यूबीटी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव पर रोक लगाने संबंधी फैसले की शुक्रवार को आलोचना की. दोनों ने दावा किया कि यह कदम महाराष्ट्र सरकार के 'तानाशाही' रवैये और किसी भी तरह के चुनाव कराने के भय को दशार्ता है. शिवसेना-यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि 10 सितंबर को होने वाले चुनावों पर रोक लगाने संबंधी विश्वविद्यालय के फैसले के पीछे की क्या वजह है?

ठाकरे ने कहा, ''मुख्यमंत्री डरपोक हैं. वे पुणे लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव और स्थानीय स्वशासन के चुनाव नहीं करा रहे हैं. हमने सोचा कि कम से कम मुंबई विश्वविद्यालय के चुनाव होंगे. सीनेट

आपकी सरकार को नहीं गिराएगी, लेकिन हम गिराएंगे. आप सीनेट से क्यों डरते हैं?'' ठाकरे ने कहा कि जब उनके नेतृत्व वाली युवा सेना ने 2010 में 10 सीट पर चुनाव लड़ा, तो उसने आठ सीट पर जीत हासिल की और 2017 में सभी 10 सीट पर जीत हासिल की थी.

यूनिवर्सिटी के लिए नुकसानदेह है चुनाव रोकना- आदित्य

विश्वविद्यालय के इस फैसले को लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक बताते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, ''चुनाव 10 सितंबर को होने थे और चुनाव पर क्यों रोक लगाई गई है, इसका कोई कारण नहीं बताया गया.'' मुंबई विश्वविद्यालय ने गुरुवार को सीनेट के चुनाव पर रोक लगाने संबंधी अपने फैसले की घोषणा की थी. सीनेट ऐसी संस्था है, जिसमें शिक्षक, प्रिंसिपल और प्रबंधन के प्रतिनिधि शामिल होते हैं. उधर, एनसीपी की युवा शाखा के उपाध्यक्ष अमोल माटेले ने कहा कि जब तक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं हो जाती, तब तक कुलपति का घेराव किया जाएगा. उन्होंने एक बयान में कहा, ''सीनेट चुनाव पर रोक लगाना राज्य सरकार के तानाशाही रवैये को दशार्ता है.

अजित पवार का नाम लिए बिना सुप्रिया सुले बोलीं-

'आज एनसीपी में दूरियां हैं लेकिन आगे क्या होगा ये...'

मुंबई : एनसीपी के विभाजन के 52 दिन बाद सुप्रिया सुले ने बारामती में प्रवेश किया. बारामती में अजित पवार के कार्यकताओं को सुप्रिया सुले के साथ देखा गया, जिससे कई लोगों की भौंहें तन गईं. इस मामले में जब सुप्रिया से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे कार्यकर्ता नहीं हैं बल्कि पवार परिवार का अभिन्न अंग हैं. सुप्रिया सुले ने कहा कि ''बारामती मेरा घर और कर्मभूमि है. लोग मेरे साथ हैं. मेरा एक सामाजिक उद्देश्य है. मैंने तो पार्टी से सिर्फ टिकट मांगा है. एक सेवक के रूप में लोगों ने मुझे अवसर दिए. बारामती की आन बान शान दिल्ली

की संसद में नंबर वन रहेगी.'' सुप्रिया सुले ने कहा कि एनसीपी में विचारों का अंतर आ गया है. जो कुछ भी हो रहा है उसका पवार परिवार से कोई संबंध नहीं है. एनसीपी, पवार परिवार नहीं है. यह कोई पारिवारिक मामला नहीं है. हममें से कुछ लोग महसूस करते हैं कि हमें दूसरी विचारधारा के साथ चलना चाहिए. यह व्यक्तिगत मतभेद नहीं बल्कि वैचारिक मतभेद है. उसके साथ कुछ भी गलत नहीं है.

अजित पवार का नाम लिए बिना सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि एनसीपी में आज दूरियां नजर आ रही हैं. मैं नहीं कह सकती कि आगे क्या होगा, ये वैचारिक मतभेद हैं, मन के मतभेद नहीं. दिल्ली में बारिश हो रही थी इसलिए व्यस्तता थी. मैं आज जो कुछ भी हूं वह बारामती की वजह से हूं.'' सुप्रिया सुले ने आगे महंगाई को लेकर भी बात की और कहा, ''हमने सरकार पर दबाव बनाया और अब सरकार महंगाई कम करने की कोशिश कर रही है.

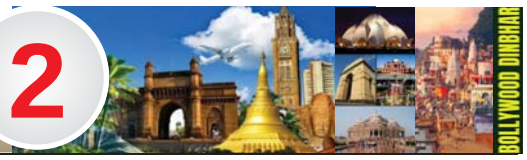

संपादकीय / लेख

विकसित भारत के मार्ग की चुनौतियां

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारत आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर गया है। वर्ष 2047 तक के इस कालखंड में देश हर क्षेत्र के लिए नए लक्ष्य निर्धारित कर रहा है और उन्हें प्राप्त करने के लिए योजनाएं बना रहा है। भारत का सपना है कि इस दौरान वह विकसित देश बने। इस अवसर पर भारतीय अर्थव्यवस्था के अब तक के सफर पर एक नजर डालना उचित होगा। 15 अगस्त, 1947 को भारत के एक स्वतंत्र राष्ट्र बनने के साथ इसकी अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण की शुरूआत भी हुई थी। अंग्रेज अपने पीछे आर्थिक रूप से कमजोर एवं अस्थिर भारत छोड़ गए थे। वर्ष 1947 में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) या कुल आय 2.7 लाख करोड़ रुपये और जनसंख्या 34 करोड़ थी। कैंब्रिज के इतिहासकार एंगस मैडिसन के अनुसार वैश्विक आय में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 1700 में 22.6 प्रतिशत (यूरोप के 23.3 प्रतिशत के बराबर) से घटकर 1952 में मात्र 3.8 प्रतिशत रह गई थी। इसे देखते हुए कई विदेशी विशेषज्ञ एकजुट रहने की भारत की क्षमता पर संदेह जताने लगे थे। तब भारतीय नेता भी चिंतित थे कि कहीं व्यापार और निवेश के माध्यम से विदेशी शासन आर्थिक नियंत्रण के बहाने वापसी न कर ले। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए पिछले 76 वर्षों में भारत ने आर्थिक स्वतंत्रता को अपनाया और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पंचवर्षीय योजनाओं को तैयार करने के साथ-साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में काम किया। आज देश की जीडीपी लगभग 375 लाख करोड़ रुपये हो गई है। वर्ष 1951 में शुरू की गई पहली पंचवर्षीय योजना कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कृषि एवं सिंचाई पर केंद्रित थी। 1956 में शुरू की गई दूसरी पंचवर्षीय योजना ने भारत की दीर्घकालिक विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आर्थिक आधुनिकीकरण की नींव रखी। पं. नेहरू के बाद प्रधानमंत्री बने लालबहादुर शास्त्री ने हरित क्रांति और श्वेत क्रांति को प्रोत्साहन दिया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की सुविधा के उद्देश्य से 1965 में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) की स्थापना की गई। हरित क्रांति के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 1978-79 में 13.1 करोड़ टन का रिकार्ड अनाज उत्पादन हुआ। इसने भारत को दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में से एक के रूप में स्थापित किया।

पिछली सदी का सातवां दशक भारत के लिए विभिन्न आर्थिक चुनौतियां भी लेकर आया था। रुपये के अवमूल्यन ने विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी थीं। 19 जुलाई, 1969 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री इंदिरा गांधी ने देश के 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने का फैसला किया, जिसका मुख्य उद्देश्य अकेले बड़े व्यवसायों के विपरीत बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र को दिए गए ऋण को बढ़ाना था। वित्त वर्ष 1985-86 के आम बजट में प्रत्यक्ष करों को कम करने जैसे कुछ सुधार किए गए। देश में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांति लाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को व्यापक रूप से श्रेय दिया जाता है। जब पीवी नरसिंह राव ने 1991 में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला तब उन्होंने एक नई औद्योगिक नीति की घोषणा की, जिसने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण पर जोर दिया। इससे भारत की विकास दर, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई। अटल बिहारी वाजपेयी ने देश की आधारभूत संरचना पर ध्यान दिया। उनकी स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली और मुंबई को हाईवे नेटवर्क से जोड़ा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से शहर एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। मनमोहन सिंह के कार्यकाल में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम अस्तित्व में आए जिन्होंने ग्रामीण रोजगार एवं गरीबों को मजबूती दी।

आर्थिक प्रगति के एक नए युग की शुरूआत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योजना आयोग की जगह नीति आयोग (नेशनल इंस्टीट्यूट फार ट्रांसफार्मिंग इंडिया) का गठन किया। मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और जीएसटी देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत बना रहे हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी काफी सुधार हुआ है। कभी 'तीसरी दुनिया का देश' कहा जाने वाला भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र में बीजेपी के लिए खतरे की घंटी!

लोकसभा चुनाव में MVA दे सकती है शिकस्त... इतनी सीटों का दावा

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट से हाथ मिलाया है. फिर भी महाराष्ट्र में सरकार की गाड़ी डगमगाने की साफ तस्वीर दिखाई दे रही है. कांग्रेस द्वारा किए गए अंतर्गत सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी प्रदेश में 45 से 48 सीटों पर बाजी मारेगी.

नाना पटोले ने क्या कहा?

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि हमने 45 निर्वाचन क्षेत्रों में जाकर वहां की राजनीतिक परिस्थितियों की प्रत्यक्ष तौर पर समीक्षा की. इसके तहत हमने अब लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. बीजेपी के खिलाफ सभी दलों को साथ लेकर बीजेपी के लिए उचित विकल्प तैयार करेंगे. इस तरह का विश्वास भी उन्होंने इस दौरान व्यक्त किया.

बता दें, लोकसभा चुनाव को लेकर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी बड़ी घोषणा की है. मनसे ने ऐलान किया है कि वो आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में ठाणे और पालघर की सभी चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी. राज ठाकरे ने ये ऐलान तब किया है जब मुंबई में INDIA गठबंधन की बैठक होने जा रही है, जिसमें देश के तमाम विपक्षी दलों के बड़े नेता शामिल होंगे और लोकसभा चुनाव 2024 और कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे.

महाविकास आघाड़ी जीत सकती है इतनी सीटें...

'सामना' के अनुसार, माना जा रहा है कि महाविकास आघाड़ी का साथ छोड़कर अजित पवार अपने समर्थक विधायकों समेत शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हो गए. इस पृष्ठभूमि पर आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के दृष्टिकोण से कांग्रेस ने एक अंतर्गत सर्वेक्षण किया था. इस सर्वेक्षण के तहत राज्य के सभी 48 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जाकर समीक्षा किया गया. इसमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) के नेतृत्व में महाविकास आघाड़ी को 40 से 45 सीटों पर जीत मिलेगी. इस तरह का अनुमान लगाया गया है.

मुंबई के मालवणी में कुत्ते के ऊपर एसिड फेंकने वाली महिला गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में एक 35 वर्षीय महिला को कुत्ते पर एसिड फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. यह घटना बुधवार को हुई. मुंबई के मालाड-मालवणी में 35 साल की एक महिला के खिलाफ धारा 429 भादवि के साथ 11(1) (ए) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. दरअसल, महिला ने अपनी बिल्डिंग में रहने वाले एक कुत्ते के ऊपर एसिड फेंक दिया था, जिससे वो बुरी तरह झुलस गया था. महिला की ये करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई थी. जिसके आधार पर मालवनी पुलिस ने कार्रवाई की है. महिला इसलिए परेशान थी क्योंकि ब्राउनी नाम का कुत्ता उसकी बिल्ली के साथ खेलता रहता था. उसने कुत्ते के मालिकों को उसकी बिल्ली से दूर रखने की चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने उसके अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया था. जिससे नाराज होकर आरोपी महिला ने 16 अगस्त की रात करीब 12 बजे उस कुत्ते पर एसिड डाल दिया. सीसीटीवी फुटेज में महिला कुत्ते के पास आते और उस पर तेजाब डालते हुई दिखाई दे रही है जबकि कुत्ते को दर्द से चिल्लाते और भागते हुए देखा जा सकता है.

शीतकालीन सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार करने का अनुरोध करेंगे- बावनकुले

महाराष्ट्रः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस तथा अजित पवार से नागपुर में राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार करने का आग्रह करेंगे।

शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने दो जुलाई को अजित पवार और छगन भुजबल, हसन मुश्रीफ और दिलीप वलसे पाटिल सहित आठ विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया था।

बावनकुले ने शिंदे नीत सरकार में और अधिक मंत्रियों को शामिल करने पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, ''मैं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनसे राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार के लिए अनुरोध करूंगा।''महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री समेत कुल 43 मंत्री हो सकते हैं और फिलहाल यह संख्या 29 है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 19 अगस्त 2023

जलगांव में गोमांस होने के शक में गुस्साई भीड़ ने की ड्राइवर की पिटाई, ट्रक को लगाई आग

जलगांव : महाराष्ट्र के जलगांव के पालधी में गुस्साई भीड़ ने एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि उन्हें संदेह था कि उसमें गोमांस है। इस घटना के बाद पालधी गांव समेत पुरे इलाके में गुरुवार देर रात तक तनाव बना रहा। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 9 बजे बंभौरी एसएसबीटी कॉलेज के पास पेट्रोल पंप पर एक ट्रक रुका था। इस दौरान दुर्गंध आने पर कुछ युवकों को शक हुआ। जब

युवकों ने पूछताछ शुरू की तब ट्रक ड्राइवर ने बराबर जावा नहीं दिए। जिसके बाद पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने युवकों के साथ थाने में फोन कर जानकारी दी। सूचना मिलते ही एक पुलिसकर्मी पेट्रोल पंप पर पहुंचा।

खबरों के मुताबिक, पुलिसकर्मी ट्रक को अपने साथ ले जा रहा था। इसी दौरान ट्रक के पीछे-पीछे आ रहे युवकों को शक हुआ कि ट्रक पुलिस स्टेशन की ओर नहीं, बल्कि इलाके की ओर जा रहा है। पुलिस ने ट्रक को छोड़ दिया है, तब युवकों ने ट्रक को पीछा करते हुए रोक लिया। गुस्से भीड़ ने ट्रक ड्राइवर की पिटाई की और ट्रक को आग लगा दी।

ट्रक में गोमांस नहीं था: एसपी एम राजकुमार

अब इस मामले को लेकर जिले के एसपी एम राजकुमार ने नया खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि ट्रक में गोमांस था ही नहीं। उन्होंने बताया ट्रक में जानवरों का चमड़ा था, जिसे वे लेदर फैक्ट्री के लिए ले जा रहे थे, लेकिन कुछ युवकों ने गलतफहमी के चलते पुलिस के सामने ही पत्थरबाजी की और हुड़दंग मचाया। वहीं, कुछ लोगों ने क्लीनर और ड्राइव को मारने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उनको बचा लिया। हुड़दंगियों ने ट्रक को आग लगा दी।

18 लोग को गिरफ्तार

एसपी एम राजकुमार ने बताया, ट्रक ड्राइवर सल्लू खान उर्फ बाबू खान और क्लीनर मानसिंह श्रीराम कुशवाहा दोनों उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और चमड़े से लदे ट्रक को औरंगाबाद से कानपुर लेकर जाने वाले थे। ट्रक जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने उसमें गोमांस का शक होने को लेकर पीछा कर रहे थे। जैसे ही पुलिस को जानकारी मिली, वहां टीम पहुंची। उधर, पंचनाम कर डॉक्टर ने सैंपल भी निकाल दिए। पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड बुलाकर जो आग लगी थी उसे बुझाई गई। एसपी ने बताया कि इस मामले में अभी तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में होश उड़ाने वाला मौतों का आंकड़ा

ठाणे : कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में कुछ महीनों में मौतों का वैष्ठलकुलेशन करने पर होश उड़ानेवाला आंकड़ा सामने आता है। मिली जानकारी के अनुसार, पिछले सात महीनों में इलाज के दौरान १ हजार ६१ लोगों की मौत हुई, वहीं इस अस्पताल में कुल ३ हजार २९९ बच्चों का जन्म हुआ है, लेकिन इनमें भी १११ बच्चे मृत पैदा हुए हैं।

बता दें कि छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक ही रात में इलाज के दौरान १८ लोगों की मौत से अफरा-तफरी मच गई थी। अस्पताल प्रशासन को हर स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा वर्ष २०२३ में जनवरी से जुलाई तक सात महीनों में १ हजार ६१ लोगों की अस्पताल में उपचार के दौरान

मौत हो गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, यदि १,००० मरीजों को इलाज के लिए भर्ती किया जाता है तो सात महीनों में औसत मृत्यु दर ४९ होती है। दूसरी ओर यह बात सामने आई है कि इस अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं की संख्या मरने वाले मरीजों से तीन गुना अधिक है। भले ही सात महीने में ३ हजार २९९ बच्चों का जन्म हुआ, लेकिन कुल १११ नवजात शिशुओं की मौत हो चुकी है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती से पाबंदी...

मुंबई : महानगर मुंबई को स्वच्छ बनाने और प्रदूषणमुक्त करने के लिए पूर्व मंत्री व युवासेनाप्रमुख आदित्य ठाकरे के निदेर्शानुसार मनपा ने प्रतिबंधित प्लास्टिक बंदी अभियान शुरू किया। इस क्रम में राज्य सरकार ने कानून बनाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोगकताओं, विक्रेताओं आदि पर कार्रवाई का प्रावधान किया है। इस कानून को लाने की मांग और मुंबई में प्रतिबंधित प्लास्टिक को हटाने में आदित्य ठाकरे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन राज्य में सत्ता परिवर्तन होने के बाद आई असंवैधानिक सरकार ने प्लास्टिक निमार्ता कंपनियों के प्रति नरमी बरती और देखते-देखते फिर से प्लास्टिक के कचरे और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग बढ़ने लगा है। प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग से बढ़ती समस्या को लेकर मनपा एक बार फिर आदित्य ठाकरे के दिखाए हुए मार्ग पर चलने को तैयार है। मनपा आगामी २१ अगस्त से शहर में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती से पाबंदी लागू करने के लिए तैयार है। प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए और नियमों का पालन सख्ती से हो, इसके लिए मनपा अधिकारियों, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) के अधिकारियों और पुलिस कांस्टेबलों द्वारा संयुक्त टीम बनाई गई है, जो एक साथ छापेमारी करेगी। मनपा अधिकारियों के अनुसार फेरीवाले, दुकानें और मॉल में खासकर मनपा की नजर होगी। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी में शामिल होने के लिए एमपीसीबी की ओर से २४ पुलिस अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक वॉर्ड में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ काम करनेवाली पांच सदस्यों की एक टीम बनाई जा रही है। इन २४ वॉर्डों में कुल १२० लोगों की टीम होगी।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने मार्च २०१८ से प्लास्टिक के उत्पादन, बिक्री, उपयोग और भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। तब से मनपा प्रतिबंध का उल्लंघन करनेवाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। लेकिन कोरोना महामारी ने उनके प्रयासों को रोक दिया। जुलाई २०२२ में काम फिर से शुरू किया गया। पिछले वर्ष में मनपा ने १,५८६ छापे मारे, ५,२८५ किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया और ७९ लाख रुपए का जुमार्ना वसूल किया।

उच्च ब्याज दरों ने घर की खरीदारी को महंगा कर दिया

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की चकाचौंध भले ही लोगों को प्रभावित करती हो लेकिन प्रवासियों के लिए रहने-खाने के लिहाज से काफी महंगा भी है। हालांकि, दुनिया के अन्य शहरों से तुलना की जाए तो मुंबई काफी किफायती भी है। एक दिन पहले नाइट प्रैंष्ठक ने वैष्ठलेंडर वर्ष २०२३ के पहले छह महीनों के लिए देश के आठ शहरों के लिए 'किफायत सूचकांक' जारी किया, जिसमें औसत परिवार के लिए मासिक किस्त (ईएमआई) के अनुपात में आय का आकलन किया गया है। सूचकांक से पता चला है कि आवास ऋण पर उच्च ब्याज दरों ने २०२३ में अब तक सभी बाजारों में घर की खरीदारी को महंगा कर दिया है। इस हिसाब से मुंबई का ५५ प्रतिशत है जो कि काफी अधिक है। यानी मुंबई आम लोगों के लिए अनअफोर्डेबल है।

इसमें कहा गया है कि ५० प्रतिशत से अधिक ईएमआई आय अनुपात को वहन करने योग्य नहीं माना जाता है, क्योंकि यह वह सीमा है, जिसके आगे बैंक शायद ही कभी किसी बंधक को अंडरराइट करते हैं। नाइट प्रैंष्ठक ने कहा कि भारत के आठ शहरों में २०१० से २०२१ तक सामर्थ्य सूचकांक में लगातार सुधार देखा गया। खासकर, महामारी के दौरान जब आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती कर दशक के निचले स्तर पर ला दिया। नाइट प्रैंष्ठक ने कहा कि बढ़ती मुद्रास्फीति को संबोधित करने के लिए केंद्रीय बैंक ने तब से रेपो रेट दर में २५० बीपीएस की वृद्धि की है, जिससे शहरों में सामर्थ्य पर औसतन २.५ प्रतिशत का असर पड़ा है और ईएमआई भार में १४.४ प्रतिशत की वृद्धि हुई है।'शीर्ष आठ शहरों में अमदाबाद सबसे किफायती आवास बाजार है, जिसका अनुपात २३ प्रतिशत है, इसके बाद पुणे और कोलकाता २६ प्रतिशत है, बंगलुरु और चेन्नई २८-२८ प्रतिशत पर, दिल्ली-एनसीआर ३० प्रतिशत पर, हैदराबाद ३१ प्रतिशत और मुंबई ५५ प्रतिशत पर हैं। किसी शहर के लिए अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स स्तर ४० प्रतिशत का अर्थ है कि उस शहर के परिवारों को उस इकाई के लिए आवास ऋण की ईएमआई को वित्तपोषित करने के लिए औसतन अपनी आय का ४० प्रतिशत खर्च करने की आवश्यकता होती है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 19 अगस्त 2023

नागपुर हवाई अड्डे पर इंडिगो पायलट की मौत!

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर में गुरुवार को डॉ बाबासाहेब अंबेडकर हवाई अड्डे से पुणे के लिए उड़ान भरने से ठीक पहले इंडिगो का एक पायलट बेहोश हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। अधिकारियों के अनुसार, 40 वर्षीय कैप्टन मनोज सुब्रमण्यम देर रात लगभग 12 बजे हवाई अड्डे के बोर्डिंग गेट के समीप बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत केआईएमएस-किंग्सवे अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि श्री सुब्रमण्यम नागपुर से पुणे के लिए इंडिगो उड़ान का परिचालन करने जा रहे थे, तभी वह बेहोश हो गए। अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि उनकी मौत के सही कारण का तत्काल पता नहीं चल सका है लेकिन शायद दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हुई है। विमान कंपनी ने ट्वीट किया कि हम नागपुर में अपने एक पायलट के निधन से दुखी हैं और हमारे संवेदनायें और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, पायलट ने बुधवार को त्रिवेंद्रम-पुणे-नागपुर सेक्टर में सुबह तीन बजे से सुबह सात बजे के बीच दो उड़ानों का संचालन किया था। दो सप्ताह में पायलटों की अचानक मौत होने का यह तीसरा मामला है और मरने वालों में दो भारतीय पायलट हैं।

महाराष्ट्र/गणेश मंडलों में मनपा के प्रति भारी नाराजगी...

मुंबई : महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय त्योहार गणेशोत्सव के लिए अभी एक महीने से अधिक समय बचा है। हालांकि, गणेश भक्तों ने बाप्पा के आगमन को लेकर अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों की बड़ी मूर्तियां मंडप के लिए रवाना होने लगी हैं। लेकिन सड़क पर बड़े और खतरनाक गड्ढे और पेड़ों की लटकी शाखाओं से मंडल के पदाधिकारी परेशान हैं। बाप्पा को लाने के दौरान सड़कों पर हुए अनगिनत गड्ढों और वृक्ष की लटकी शाखाओं से गणेश मंडलों में मनपा के प्रति भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि सड़क मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपए स्वाहा कर दिए लेकिन बाप्पा की राह में पड़े हजारों रोड़े बरकरार हैं। ऐसे में मनपा ने मंडलों को अगले एक सप्ताह में मुंबई के

सभी गुड्ढे भरने और अड़चनवाली वृक्ष शाखाओं को काटने की तैयारी दर्शाई है। मनपा अधिकारी के अनुसार, गड्ढों को पाटने और रोड़ा बन रहे पेड़ों की छंटाई की प्रक्रिया दो-चार दिन में पूरी कर ली जाएगी।

व्यवस्था करने में मनपा हुई फेल

बता दें कि सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में गणेश जी की बड़ी-बड़ी मूर्तियां स्थापित की जाती हैं। श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए बड़े मंडलों द्वारा मंडप में झांकियां बनाई जाती हैं। ऐसे में गणेश प्रतिमा को लगभग एक से डेढ़ महीने पहले ही मंडप में ले जाना आवश्यक होता है। इस वजह से बाप्पा के आगमन मार्ग को दुरुस्त रखना जरूरी होता है, लेकिन मनपा गड्ढों व पेड़ों की शाखाओं की छंटनी की समस्या निवारण करने में फेल साबित हुई है, जिसे लेकर गत दिनों मनपा प्रशासन और सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के बीच बैठक हुई और गड्ढों एवं आदि विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक में हुए निर्णय के अनुसार, मनपा प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन जिन मार्गों से बाप्पा का आगमन होना है, उन मार्गों पर गड्ढे जस के तस पड़े हुए हैं। पेड़ों की लटकी शाखाओं की छंटनी नहीं हुई है, जिससे मूर्तियों को ले जाना मुश्किल हो रहा है। जिसे लेकर गणेश मंडलों ने मनपा के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। अब मनपा ने फिर से आश्वस्त किया है कि अगले चार से पांच दिनों में बाप्पा के आगमन वाले सभी मार्गों पर गड्ढे पाट दिए जाएंगे।

सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को उत्सव व झांकी बनाने की अनुमति के लिए मनपा में आवेदन करना होता है। इस महीने एक अगस्त से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया गया है। अब तक कुल ९५९ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों ने अनुमति के लिए मनपा में आवेदन किया है, इनमें से ५०९ मंडलों को अनुमति दे दी गई है। शर्तें पूरी नहीं करने पर २० मंडलों को अनुमति नहीं दी गई है। बाकी आवेदन मंजूरी की प्रक्रिया में हैं।

मतदाता यह जरूर सोचेंगे कि वे कौन-सा बटन दबाएं और उन्हें कहां भेजें? - शरद पवार

मुंबई : पिछले चुनाव में उन्होंने जनता की मदद ली थी। जनता ने उन्हें चुनाव में जीत दिलाई और भाजपा को चुनाव हराया। लेकिन आज उन्होंने भाजपा के खेमे में जाकर बैठने का निर्णय लिया है। लेकिन कल जब जनता को वोट देने का मौका मिलेगा तो मतदाता यह जरूर सोचेंगे कि वे कौन-सा बटन दबाएं और उन्हें कहां भेजें? ऐसी जोरदार चेतवानी देते हुए एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने अजीत पवार गुट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता ऐसे लोगों को सबक जरूर सिखाएगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब तुम कहते हो कि मैं बूढ़ा हो गया हूं, तो मुझमें तुमने क्या देखा? ऐसा सवाल किया।

एनसीपी की ओर से कल बीड में आयोजित स्वाभिमान सभा में पवार बोल रहे थे। इस अवसर पर एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील, अनिल देशमुख, जीतेंद्र आव्हाड, विधायक रोहित पवार, बीड विधायक संदीप क्षीरसागर आदि उपस्थित थे।

अपने भाषण में शरद पवार ने उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, मंत्री धनंजय मुंडे और बीड में अजीत पवार गुट के नेताओं का नाम लिए बिना उन्हें फटकारते हुए चेतावनी दी। शरद पवार ने कहा कि पिछले चुनाव में उन लोगों ने जनता की मदद ली थी। जनता ने उन्हें चुना और भाजपा को हरा दिया। वे भाजपा को हराकर सत्ता में आए, लेकिन आज भाजपा के खेमे में जाकर बैठने का निर्णय लिया है। ऐसे में कल जब जनता को वोट देने का मौका मिलेगा तो जनता ऐसे लोगों को सबक जरूर सिखाएगी।

शरद पवार ने केंद्र सरकार की भी आलोचना की। आज के शासक समाज में खाई पैदा कर रहे हैं। आप सावधानी बरतें। महिलाओं के साथ अन्याय किया जा रहा है, लेकिन भाजपा चुप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर जाना था और उस पर बोलना चाहिए था। वहां तो वे गए नहीं, सदन में भी अविश्वास प्रस्ताव के समय आखिरी कुछ मिनटों में अपनी बात रखी। पवार ने कहा कि सत्ता का दुरुपयोग करनेवालों पर अंकुश लगाने का समय आ गया है।

शरद पवार की उम्र का मुद्दा अजीत पवार और उनके गुट के विधायक अमर सिंह पंडित ने उठाया था। इस खबर को शरद पवार ने खास अंदाज में लेते हुए कहा, 'आप कहते हैं कि मैं बूढ़ा हो गया हूं, आपने मुझमें क्या देखा?' जब शरद पवार ने यह पूछा तो खूब हंसी और तालियां गूंजीं। पवार ने कहा कि युवा पीढ़ी के सहयोग से यहां कई लोग हारे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १५ अगस्त को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में मणिपुर का जिक्र करना भूल गए। लेकिन उन्होंने घोषणा की 'मैं वापस आऊंगा।' यह कहना ठीक है कि मैं फिर वापस आऊंगा। लेकिन पहले देवेन्द्र फड़णवीस से सलाह ले लें। २०१९ में फडणवीस ने कहा कि मैं वापस आऊंगा।

तीनों आतंक समर्थक संगठनों के हाथ मिलाने का खुलासा...

मुंबई : पुणे आइसिस (इस्लामिक स्टेट) आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान जांच एजेंसी एनआईए को हिंदुस्थान का सिरदर्द बढ़ानेवाली जानकारी मिली है। मामले की जांच कर रही एनआईए ने पहले से ही प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन 'स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया' (सिमी), इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) और आइसिस का कॉकटेल बनने यानी तीनों आतंक समर्थक संगठनों के हाथ मिलाने के नंगे सबूत मिलने का खुलासा किया है। एनआईए की जांच में पता चला है कि सिमी और आईएम के लिए काम कर चुके कट्टरपंथियों ने अब आइसिस के आतंकियों से हाथ मिला लिया है और ये सभी आइसिस के इशारे पर हिंदुस्थान को दहलाने की साजिश में जुटे हैं। इसमें पुणें और भिवंडी से गिरफ्तार संदिग्धों द्वारा अधिक सक्रिय भूमिका निभाए जाने का भी खुलासा हुआ है। बता दें कि १८ जुलाई को पुणें के कोथरुड में पेट्रोलिंग के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो इस्लामिक

स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) की शाखा सुफा के लिए काम कर रहे थे और एनआईए के एक केस में वांटेड थे। इनमें पुणे से गिरफ्तार आरोपी शाहनवाज आलम इस आतंकी योजना में मास्टरमाइंड है। वह तमाम पुराने आतंकी संगठन जो अब राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के कारण पहले ही लगभग खत्म कर दिए गए थे, उन्हें फिर से सक्रिय कर रहा था। उसने खुद को जांच एजेंसियों से बचाते हुए पुराने संगठनों को एक्टिव किया था, लेकिन एक बड़ी घटना को अंजाम देने से पहले पकड़ा गया। उसके मार्फत जांच एजेंसियों ने भिवंडी से शामिल नाचन और उसके पिता साकिब नाचन को गिरफ्तार किया। साकिब, सिमी का सचिव रह चुका है। साकिब नाचन २००२-०३ में मुंबई में हुए तिहरे विस्फोटों में दोषी पाया गया था। इस मामले में १० साल की सजा काटकर वह हाल ही में छूटा था। इसी को देखते हुए एनआईए ने गुरुवार को शामिल नाचन के भिवंडी स्थित घर पर छापेमारी की थी, जिसके बाद साकिब के आइसिस के आतंकियों के साथ फिर से नई साजिश में जुटे होने की जानकारी सामने आई।

छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से कई अहम सबूत एनआईए के हाथ लगे। एनआईए और एटीएस द्वारा अभी तक की गई जांच में पता चला है कि सिमी और इंडियन मुजाहिद्दीन आतंकी संगठनों के बीच पहले वैचारिक मतभेद थे, लेकिन सब भूलकर अब आइसिस के साथ मिलकर फिर से काम शुरू करने का पैंतरा किया।

पालघर में गला दबाकर पत्नी की हत्या करने वाले दरिंदे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका में पुलिस ने अपनी 32 वर्षीय पत्नी की हत्या करने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि वारदात बृहस्पतिवार दोपहर को हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''पति-पत्नी जिले में धनवेपाड़ा में रहते थे। व्यक्ति को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था, जिसकी वजह से उनके बीच झगड़ा होता रहता था। बृहस्पतिवार को झगड़े के दौरान गुस्से पर काबू नहीं रख पाए 39 वर्षीय व्यक्ति ने पत्नी का गला घोंट दिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। हत्या के आरोप में उसके पति अशोक मराडे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मियां-बीवी ने झगड़े में युवक को दे दिया पटरी पर धक्का
तभी आ गई ट्रेन... लोकल की टक्कर से युवक की ट्रैक पर गिरकर मौत हो गई

मुंबईः मुंबई के सायन रेलवे स्टेशन पर दलि दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां महलिा को धक्का लगने के बाद कपल ने एक युवक की जमकर पिटाई की। पिटाई के दौरान युवक अचानक से रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इतने में सामने से लोकल ट्रेन आ गई। चोट के कारण युवक समय पर उठ नहीं सका और ट्रेन से टकराकर उसकी मौत हो गई। यह पूरी घटना सीसीटीवी पर कैद हो गई।

13 अगस्त को हुई इस घटना पर दादर रेलवे पुलसि ने कपल को अरेस्ट कर लयिा है। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मरने वाले युवक का नाम दिनेश राठौड़ (26) है। वह नवी मुंबई के घनसोली गांव के रहने वाले थे। वह 'बेस्ट' में कैरियर के तौर पर काम कर रहे थे। इस मामले में दादर रेलवे पुलिस ने कपल अविनाश माने और शीतल अविनाश माने को अरेस्ट कर लयिा है। दोनों मूल रूप से कोल्हापुर के रहने वाले बताए गए हैं। यह पूरी घटना सायन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस मामले में दादर रेलवे पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज कर अविनाश और शीतल दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

वास्तव में क्या हुआ?

यह घटना मुंबई में सेंट्रल रेलवे के सायन रेलवे स्टेशन पर हुई। माने कपल प्लेटफार्म नंबर एक की सीढ़ियों से नीचे प्लेटफार्म पर आ रहे थे। इसी समय शीतल माने को यात्री दिनेश राठौड़ ने धक्का दिया। हैरान होकर शीतल ने दिनेश पर छाते से वार किया। जैसे ही वह उसे पीटने लगी तो अविनाश ने भी उसे मारना शुरू कर दिया।

लोकल की चपेट में आया

इसी दौरान दिनेश का संतुलन बिगड़ गया और वह रेलवे ट्रैक पर गिर गया। उसी समय प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ठाणे की ओर जाने वाली धीमी गति से चलने वाली लोकल आ रही थी। दिनेश ने जल्दी से उठने की कोशिश की लेकिन दुर्भाग्यवश वह ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे चोट लगने के कारण उनकी जान चली गई।

आरोपी कपल अरेस्ट

इस मामले में दादर रेलवे पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपी कपल अविनाश और शीतल माने को पुलिस ने अरेस्ट कर लयिा है।

मुंबई में दस लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के मादक पदार्थ के साथ एक दबोचा

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने 10.3 लाख रुपये मूल्य के मेफेड्रोन रखने के आरोप में एक नाइजीरियाई व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने शुक्रवार को दी। तलोजा पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी सेल (एएनसी) ने गुरुवार को तलोजा इलाके में जाल बिछाया और आरोपी ओनेंका क्लेमेंट इग्बोइजे को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि एएनसी टीम ने उस व्यक्ति के कब्जे से 10.30 लाख रुपये मूल्य का 103 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया।

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में आठ बांग्लादेशी गिरफ्तार

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने वैध दस्तावेजों के बिना देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, इनमें तीन महिला भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस के मानव तस्करी विरोधी सेल (एएचटीसी) के अधिकारियों ने गुरुवार दोपहर उल्वे में एक आवासीय इलाके में छापा मारा और बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि तीन महिलाओं समेत आठ आरोपी पिछले आठ महीने से इलाके में रह रहे थे और उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे।

एक महीने का किराया -2.59 करोड़, अमेजन डेटा सर्विसेज ने मुंबई में ली जमीन

मुंबई : अमेजन डेटा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के पवई में एलएंडटी से 1.74 लाख वर्ग फुट फ्रीहोल्ड इंडस्ट्रियल जमीन लीज पर ली है. रियल एस्टेट कंसल्टेंट सीआरई मैट्रिक्स का कहना है कि दस्तावेजों से पता चलता है कि किराया 2.59 करोड़ रुपये प्रति माह है. एग्रीमेंट के अनुसार लैंड पार्सल का कुल क्षेत्रफल 1,6187.40 वर्ग मीटर है, जो 1.74 लाख वर्ग फीट या 4 एकड़ है. अमेजन डेटा सर्विसेज 4 एकड़ के लिए 18 करोड़ रुपये प्रति एकड़ यानी कुल 72 करोड़ रुपये का प्रीमियम भुगतान करेगी और हैंडओवर की डेट 1 अप्रैल 2025 और 31 मार्च, 2026 के बीच है. सीआरई मैट्रिक्स के अनुसार लीज की समाप्ति तिथि 15 अगस्त, 2043 है. लीज के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट 2.40 करोड़ रुपये है और लीज 3 अगस्त, 2023 को रजिस्टर्ड किया गया था. मनीकंट्रोल के अनुसार इस बीच अमेजन या एलएंडटी दोनों को भेजे गए प्रश्नों का कोई जवाब नहीं मिला. जून 2022 में इसी तरह की एक डील में अमेजन डेटा सर्विसेज ने लैंड पार्सल के निकट पवई में एलएंडटी से 5.5 एकड़ जमीन लीज पर ली थी, जिसके लिए पंजीकृत दस्तावेजों के अनुसार 3 अगस्त को पट्टे पर हस्ताक्षर किए गए थे. डेटा सेंटरों पर रियल एस्टेट कंसल्टेंसी जेएलएल इंडिया की अप्रैल 2023 की रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का थर्ड पार्टी के प्रोवाइडर की ओर माइग्रेशन से डेटा का बढ़ता उपयोग प्रभावित करेगा. इसके परिणामस्वरूप 2023 और 2025 के बीच डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इंडस्ट्री में 678 मेगावाट की वृद्धि होगी.

छापेमारी से 100 करोड़ का राजस्व

मुंबई : अन्न व औषध प्रशासन मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम ने जानकारी दी है कि एफडीए ने मुंबई के होटलों में छापेमारी कर जांच शुरू कर दी है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे प्रतिदिन अपने क्षेत्रों में पांच होटलों की जांच करें। किन होटलों में छापे मारने हैं, इसके भी निर्देश दिए गए हैं। मंत्री आत्राम ने कहा कि होटलों पर हुई कार्रवाई से राज्य सरकार की तिजोरी में करीब १०० करोड़ रुपए का राजस्व जमा हुआ है। दूसरी तरफ उन्होंने यह भी कहा कि चिकन की थाली में चूहा मिलने का मामला गंभीर है यदि इस तरह का मामला पाया जाता है तो मकोका के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पालघर में गला दबाकर पत्नी की हत्या करने वाले दरिंदे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका में पुलिस ने अपनी 32 वर्षीय पत्नी की हत्या करने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वारदात बृहस्पतिवार दोपहर को हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''पति-पत्नी जिले में धनवेपाड़ा में रहते थे। व्यक्ति को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था, जिसकी वजह से उनके बीच झगड़ा होता रहता था। बृहस्पतिवार को झगड़े के दौरान गुस्से पर काबू नहीं रख पाए 39 वर्षीय व्यक्ति ने पत्नी का गला घोंट दिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। हत्या के आरोप में उसके पति अशोक मराडे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

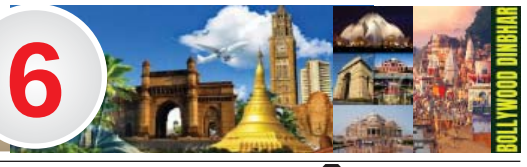

चंद्रयान-3, चंदा मामा के करीब पहुँचा

● विक्रम लैंडर दोपहर 1.15 बजे प्रोपल्शन से अलग हुआ ● विक्रम लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा- 'थैक्स फॉर द राइड मेट'

अब लैंडर की रफ्तार धीमी की जाएगी, 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा

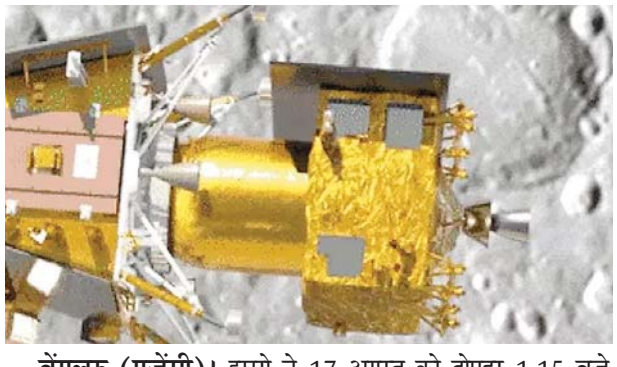

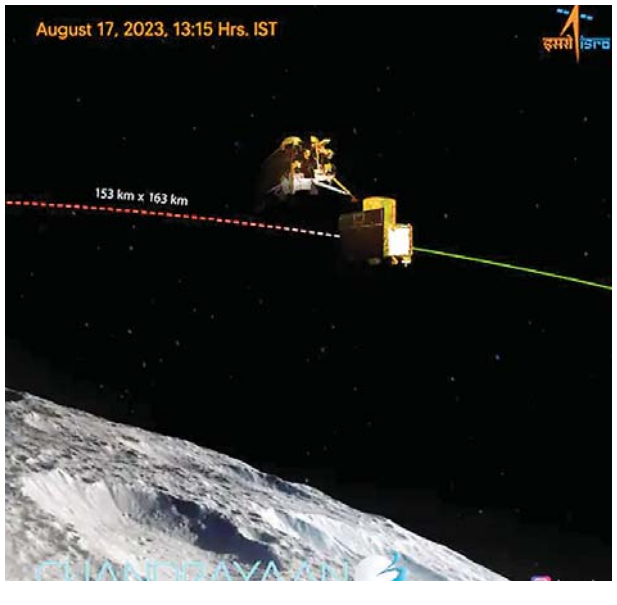

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो ने 17 अगस्त को दोपहर 1.15 बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग कर दिया। अब प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा जबकि लैंडर-रोवर 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे। यहां वो 14 दिन तक पानी की खोज सहित अन्य प्रयोग करेंगे। सेपरेशन के बाद विक्रम लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा- 'थैक्स फॉर द राइड मेट'। इसरो ने बताया कि लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल के अलग होने के बाद अब शुक्रवार शाम करीब 4 बजे लैंडर को डीबूस्टिंग के जरिए थोड़ी निचली कक्षा में लाया जाएगा। इससे पहले 16 अगस्त को सुबह करीब 8.30 बजे यान के थ्रस्टर कुछ देर के लिए फायर किए गए थे। इसके बाद चंद्रयान 153 किमी 163 किमी की कक्षा में आ गया था। यानी चंद्रयान की चंद्रमा से सबसे कम दूरी 153 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 163 किलोमीटर हो गई थी।

सॉफ्ट लैंडिंग के लिए चंद्रयान-3 को 90 डिग्री घूमना होगा

प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग होने के बाद अब लैंडर को डीबूस्ट किया जाएगा। यानी उसकी रफ्तार धीमी की जाएगी। यहां से चंद्रमा की न्यूनतम दूरी 30 किमी रह जाएगी। सबसे कम दूरी से ही 23 अगस्त को चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश की जाएगी। लैंडर को 30 किमी की ऊंचाई से चंद्रमा की सतह पर लैंड कराने तक की यह प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण होगी। उसे परिक्रमा करते हुए 90 डिग्री कोण पर चंद्रमा की तरफ चलना शुरू करना होगा। लैंडिंग की प्रक्रिया की शुरुआत में चंद्रयान-3 की रफ्तार करीब 1.68 किमी प्रति सेकेंड होगी।

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान

22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7.15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब उसकी स्पीड कम की गई थी ताकि यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1,835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7.12 बजे शुरू की गई थी।

चंद्रयान ने चांद की तस्वीरें कैप्चर कीं

चंद्रयान ने जब पहली बार चंद्रमा की कक्षा में एंट्री की थी तो उसकी ऑर्बिट 164 किमी × 18,074 किमी थी। ऑर्बिट में प्रवेश करते समय उसके ऑनबोर्ड कैमरों ने चांद की तस्वीरें भी कैप्चर की थीं। इसरो ने अपनी वेबसाइट पर इसका एक वीडियो बनाकर शेयर किया। इन तस्वीरों में चंद्रमा के क्रेटर्स साफ-साफ दिख रहे हैं। इसरो ने चंद्रयान पर लगे कैमरों से ली गई तस्वीरों का एक वीडियो बनाकर शेयर किया था।

फॉक्सकॉन ने भारत में शुरू किया ऐपल 15 का उत्पादन, सितंबर में हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐपल की सप्लायर कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत के अपने तमिलनाडु प्लांट में आईफोन 15 का उत्पादन शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फॉक्सकॉन कुछ ही हफ्ते में नए डिवाइस की डिलीवरी करने की तैयारी में है। भारत में आईफोन के उत्पादन का पैमाना काफी हद तक उन पार्ट्स की उपलब्धता पर करने से इनकार कर दिया। वहीं फॉक्सकॉन ने भी कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। ऐपल ने अपने ताइवानी आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से भारत में लगातार विस्तार किया है और अधिक उच्च-स्तरीय विनिर्माण लाने के लिए मोदी प्रशासन के कुछ वित्तीय प्रोत्साहनों से लाभान्वित हआ है।

10000 इलेक्ट्रिक बसें चलाएगी सरकार, 2 कंपनियों के शेयरों ने पकड़ी तेज रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार 169 शहरों में 10000 इलेक्ट्रिक बसें चलाने जा रही है। कैबिनेट ने बुधवार को पीएम ई-बस सेवा स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसी स्कीम के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। सरकार के इस फैसले से इलेक्ट्रिक बसें बनाने वाली कंपनियों के शेयरों को तगड़ा बूस्ट मिला है। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनियों जेबीएम ऑटो और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों में बुधवार को 12 पर्सेंट तक की तेजी आई है। इन कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को भी अच्छी तेजी बनी हुई है।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की तेजीः इलेक्ट्रिक बस मेकर कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 3 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 1263.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 9 पर्सेंट की तेजी के साथ 1223.65 रुपये पर बंद हुए थे। वहीं, जेबीएम ऑटो के शेयर गुरुवार को बीएसई में करीब 2 पर्सेंट की तेजी के साथ 1488.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। जेबीएम ऑटो के शेयर बुधवार को

9.5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1435.10 रुपये पर बंद हुए थे।

6 महीने में 195 प्रतिशत चढ़ गए ओलेक्ट्रा के शेयरः ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर पिछले 6 महीने में 195 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 17 फरवरी 2023 को बीएसई में 422.50 रुपये पर बंद हुए थे। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर 17 अगस्त 2023 को बीएसई में 1263.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, जेबीएम ऑटो के शेयरों में पिछले 6 महीने में 165 पर्सेंट से ज्यादा तेजी आई है। कंपनी के शेयर 17 फरवरी 2023 को बीएसई में 553.60 रुपये पर थे, जो कि 17 अगस्त 2023 को 1488.20 रुपये पर पहुंच गए हैं।

एसबीआई ने इस स्पेशल एफडी की आखिरी तारीख को बढ़ाया निवेशकों को मिल रहा तगड़ा ब्याज

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ग्राहकों के लिए एक स्पेशल एफडी शुरू की है। हम बात कर रहे हैं एसबीआई अमृत कलश स्पेशल एफडी स्कीम के बारे में। इस एफडी की आखिरी तिथि 15 अगस्त 2023 थी। अब इसकी तारीख को 4 महीने के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। इसका मतलब यह है कि अब 31 दिसंबर 2023 तक इस स्कीम में निवेश किया जा सकता है।

आपको बता दें कि अमृत कलश स्पेशल एफडी को 12 अप्रैल 2023 यानी इस साल सॉन्च किया गया था। इस स्कीम में आप ऑनलाइन भी निवेश कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि इस स्कीम पर कितना ब्याज दर मिलता है?

इस एफडी में सामान्य नागरिक को 7.10 फीसदी के हिसाब से ब्याज दर मिलता है। वहीं बैंक सीनियर सिटीजन को 7.60 फीसदी की ब्याज दर ऑफर करता है। यह स्कीम 31 दिसंबर 2023 तक खुली है। इसका मतलब कि अगर आप इस स्कीम में निवेश करना चाहते हैं तो आप अगले 4 महीने तक में कभी भी इस स्पेशल एफडी को खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में आपको गारंटी के साथ उच्च ब्याज दर का लाभ मिलेगा।इस एफडी में आपको मासिक, तिमाही, छमाही के हिसाब से ब्याज मिलता है। एफडी के मैच्योर होने के बाद ब्याज पर टीडीएस भी काटा जाता है। इसके अलावा आप इस एफडी से मैच्योरिटी से पहले भी पैसा निकाल सकते हैं। अगर आप प्रीमेच्योर विड्रॉ करते हैं तो आपको 0.50 फीसदी से 1 फीसदी तक की ब्याज दर की कटौती की पेनल्टी लग सकती है। इसके अलावा आप इस एफडी से बैंक से लोन भी ले सकते हैं। इस एफडी में आप 400 दिन के बाद अपने निवेश की गई राशि निकाल सकते हैं।

कल खुलने जा रहा है क्रॉप लाइफ साइंस का आईपीओ जानिए प्राइस बैंड से लेकर वैल्यूएशन तक की डिटेल्स

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आईपीओ का सिलसिला अभी भी जारी है। कल क्रॉप लाइफ साइंस लिमिटेड का आईपीओ खुलने जा रहा है। यह आईपीओ कल यानी 18 अगस्त 2023 को खुलेगा और 22 अगस्त 2023 को बंद हो जाएगा। कंपनी ने इस आईपीओ का प्राइस बैंड 52 रुपये प्रति शेयर तय किया है। वहीं कंपनी का न्यूनतम लॉट साइज 2000 शेयर है। कंपनी का आईपीओ का प्राइस बैंड की कीमत फेस वैल्यू से 5.2 गुना ज्यादा है। आइए, इस कंपनी के आईपीओ के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कंपनी के आईपीओ में 51,40 लाख फ्रेश इक्विटी शेयर शामिल है। इसको मिलाकर कंपनी टोटल 26.73 करोड़ रुपये का फ्रेश शेयर जारी कर रही है। इस आईपीओ में कोई भी शेयर ऑफर फॉर सेल के लिए नहीं है। कंपनी इस आईपीओ के जरिये जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगा। इसके अलावा लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन को पूरा करने के लिए और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के पूरा करने के लिए भी इस्तेमाल करेगा।

आपको बता दें कि राजेश लुनागरिया और अश्विनकुमार लुनागरिया कंपनी के प्रमोटर हैं। कंपनी के शेयर का अलॉटमेंट 25 अगस्त 2023 (शुक्रवार) को होगा। वहीं 28 अगस्त 2023 (सोमवार) से कंपनी शेयर को रिफंड करना भी शुरू कर देगी। निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर 29 अगस्त 2023 (मंगलवार) को जमा होगा। वहीं 30 अगस्त 2023 को कंपनी के शेयर एनएसई एसएमई पर सूचीबद्ध हो सकती है।

इंटरएक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड हैं। इसके अलावा पूर्वा शेयरजिस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के आईपीओ के रजिस्ट्रार हैं।क्रॉप लाइफ साइंस एक कृषि रसायन कंपनी है। यह कृषि रसायन फॉर्मूलेशन की एक विस्तृत श्रृंखला में काम करती है। कंपनी कृषि के लिए कीटनाशक और सूक्ष्म उर्वरक बनाती है। साल 2006 में कंपनी ने गुजरात में एक जमीन 99 वर्षों की अवधि के लिए पट्टे यानी किराए पर ली है। कंपनी ने 2006-07 में कीटनाशक और सूक्ष्म उर्वरक बनाना शुरू कर दिया था।2012 में कंपनी ने कीटनाशकों का निर्यात शुरू किया था। सबसे पहले कंपनी ने इंडोनेशिया निर्यात किया था।

पांच फीसदी ब्याज पर मिलेगा पैसा, ट्रेनिंग और टूल्स भी दिलाएगी सरकार

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के छोटे कामगारों को लोन से लेकर ट्रेनिंग तक दिलाए जाने के लिए चलाई जाने वाली प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना को मंजूरी दे दी है. इस योजना के तहत सरकार आने वाले 5 सालों में 13,000 करोड़ रुपये खर्च करेंगी. देश में यह योजना अगले महीने विश्वकर्मा जयंती से शुरू हो जाएगी. स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी की प्राचीर से दिए भाषण में भी इस योजना का उल?लेख किया था. विश्वकर्मा योजना में बुनकर, सुनार, लोहार, धोबी और नाई सहित 18 पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया गया है. बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी दी.

विश्वकर्मा योजना के तहत कामगारों को पहले चरण में 1 लाख रुपये और दूसरे चरण में 2 लाख रुपये तक का लोन 5 प्रतिशत पर दिया जाएगा. विश्वकर्मा योजना से 30 लाख परिवारों को लाभ होगा. लोहार, कुम्हार, बुनकर और नाई के अलावा राज मिस्त्री, फूल का काम करने वाले, मछली का जाल बुनने वाले, ताला-चाबी बनाने वाले और मूर्तिकार सहित 18 तरह के काम करने वाले लोगों को लोन और अन?य सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी. इस योजना का मकसद ऐसे लोगों को फायदा पहुंचाना है, जो हाथ से कोई स्किल्ड वर्क करते हैं और पीढ़ियों से यह काम करते आ रहे हैं.

कामगारों के कौशल को निखारने के लिए भी इस योजना में प्रावधान किए गए हैं. योजना के तहत दो तरह की स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी. पहले बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी. वहीं, कामगारों के कौशल को निखारने के लिए एडवांस ट्रेनिंग की व्यवस्था भी की गई है. ट्रेनिंग के दौरान प्रशिक्षु को 500 प्रतिदिन के हिसाब से स्टॉयपेंड भी दिया जाएगा.

कामगारों को सरकार विश?वकर्मा योजना के तहत न केवल ट्रेनिंग देगी, बल्कि आधुनिक औजार खरीदने के लिए भी आर्थिक सहायता मुहैया कराई जाएगी. एक कामगार औजार खरीदने के लिए 15 हजार रुपये तक इस योजना के तहत ले सकेगा. इसके अलावा सरकार

अप्रैल-जून में खुले 1 करोड़ से ज्यादा जन-धन अकाउंट शून्य बैलेंस के साथ मिलते हैं ये फायदे

नई दिल्ली। देश के हर नागरिक के पास बैंक अकाउंट हो इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने जन-धन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना में जीरो बैलेंस अकाउंट खुलवाया जाता है। अभी तक 9 करोड़ से अधिक लोगों ने जीरो बैलेंस का अकाउंट खुलवाया है। इस स्कीम को 9 साल पहले लॉन्च किया गया है। कई लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में यानी अप्रैल-जून तक 3.59 करोड़ लोगों ने जन-धन अकाउंट ओपन किया है। इसका मतलब है कि अभी तक 1 करोड़ से ज्यादा लोगों ने जन-धन अकाउंट ओपन किया है।

वित्त वर्ष 2022 में इस अकाउंट में 2.86 करोड़ अकाउंट ओपन किये गए हैं। वहीं वित्त वर्ष 2021 में 3.87 अकाउंट ओपन हुए हैं। इसी तरह जुलाई 2023 में यह आंकड़े 49.63 करोड़ हो गए हैं। इस तिमाही 4000 करोड़ रुपये जन-धन अकाउंट में जमा हुए हैं। मार्च 2023 तक यह आंकड़े 1.99 लाख करोड़ रुपये हे गए हैं।

सरकारी बैंकों में पीएम जन धन अकाउंट सबसे ज्यादा खुले हैं। 2021 के मार्च महीने में सरकारी बैंकों में जनधन अकाउंट 33.26 करोड़ अकाउंट ओपन होंगे। मई 2023 में 38.58 करोड़ हो गई है। दो साल से सरकारी बैंकों में सबसे ज्यादा पीएम जन धन अकाउंट खोले गए हैं। इनमें 16 फीसदी की बढ़त हासिल की गई है। अगर बात करें प्राइवेट बैंक की तो 2021 से 2023 के बीच इनमें 12 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।

देश में हर व्यक्ति के पास बैंक अकाउंट हो इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने 28 अगस्त 2014 में प्रधानमंत्री जनधन योजना को लॉन्च किया है। इस योजना में कोई भी व्यक्ति जीरो बैलेंस अकाउंट ओपन कर सकते हैं। इसमें अकाउंट होल्डर को फ्री में डेबिट कार्ड और 2 लाख रुपये का इंश्योरेंस मिलता है। जन-धन अकाउंट में कई सरकारी स्कीम के राशि डीबीटी के जरिये मिलता है।

इस पेड़ से पत्ते नहीं, हरे-हरे नोट झड़ते हैं! दीवाने हैं ब्राजील, कनाडा और अमेरिका वाले, खेती है बेहद आसान

नई दिल्ली। अगर आप खेती किसानी से जुड़े हुए हैं तो आप एक्स्ट्रा इनकम के लिए अपने खेत की मेड़ पर कुछ पेड़ लगाकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं. यहां हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बता रहे हैं जिसे पैसों वाला पेड़ भी कहा जाता है. दरअसल, हम महोगनी के पेड़ की बात कर रहे हैं, जो एक बहुत कीमती पेड़ है. इसकी खास बात यह है कि शुरूआती दो साल देखभाल करने के बाद अलग से किसी तरह की देखभाल या पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं होती है.

भारत में महोगनी की खेती पहाड़ी इलाकों को छोड़कर सभी मैदानी इलाकों में की जा सकती है. ब्राजील, कनाडा और अमेरिका में महोगनी पेड़ की पत्तियों, बीज और लकड़ी की बहुत मांग है. आइए जानते हैं कि महोगनी के पेड़ लगाकर आप कैसे कमाई कर सकते हैं.

महोगनी की खेती करने के लिए सबसे पहले खेत की गहरी जुताई करने के बाद पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें. अब

इसमें 5 से 7 फुट की दूरी पर 32 का गड्ढा तैयार कर लें. लाइन से लाइन की दूरी 4 मीटर होनी चाहिए. अब इन गड्ढों में गोबर और रासायनिक खाद को मिट्टी में मिलाकर भर दें. अब इनकी अच्छी तरह से सिंचाई कर दें. कुछ समय बाद इन गड्ढों में महोगनी के पौधों की रोपाई कर दें. पानी वाली और पथरीली मिट्टी में महोगनी का पौधा न लगाएं. पौधे लगाते समय तेज गर्मी या ज्यादा सर्दी वाले मौसम से बचना चाहिए. बाजार में अच्छी किस्म का पौधा 100 से 150 रुपये तक में मिल जाएगा. एक एक-ड़ खेत में महोगनी की खेती करने पर एक से डेढ़ लाख रुपये की लागत आएगी.

महोगनी के पेड़ के हर हिस्से को बाजार में अच्छी कीमत पर बेचा जा सकता है. इसकी लकड़ी का इस्तेमाल पानी के जहाज, मूर्ति, सजावटी सामान और संगीत के वाद्य यंत्र बनाने के लिए किया जाता है. महोगनी के बीज और पत्ती का इस्तेमाल शक्तिवर्धक दवा बनाने में होता है. महोगनी के पत्तों का इस्तेमाल कैंसर, अस्थमा, ब्लड प्रेशर, सर्दी और शुगर सहित कई बीमारियों के इलाज में किया जाता है. इसकी पत्तियों का इस्तेमाल खेती-बाड़ी के लिए कीटनाशक तैयार करने में भी होता है. महोगनी की पत्तियों के तेल का इस्तेमाल साबुन, पेंट और वार्निस उद्योग में किया जाता है.

महोगनी का पौधा 12 साल में 60 से 80 फुट ऊंचाई तक का घना पेड़ बन जाता है. ऐसे में एक पेड़ से लगभग 40 घन फुट लकड़ी मिल जाती है. वहीं इसकी एक घन फुट लकड़ी 1300 से 2500 रुपये में बिकती है. अगर औसतन 1500 रुपये प्रति घन फुट के हिसाब से भी लकड़ी की बिक्री की जाती है तो एक पेड़ लगभग 60,000 रुपये में बिकता है. वहीं इसके एक पौधे से लगभग 5 किलोग्राम बीज हासिल होते हैं. बाजार में बीज की कीमत 1,000 रुपये प्रति किग्रा मिल जाती है. इस तरह आप इसके कई पेड़ लगाकर तगड़ी कमाई कर सकते हैं.

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने एक और तिमाही में दर्ज की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली। बैंकिंग लाइसेंस के साथ बड़े पैमाने पर काम करने वाले भारत के एकमात्र लाभदायक मल्टी-सेगमेंट फिनटेक एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने एक और तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में, पहली बार बैंक का तिमाही राजस्व वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए 400 करोड़ रुपये तक बढ़ गया, जो गत वर्ष की तुलना 41 प्रतिशत की वृद्धि है। वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए, बैंक का मुनाफा पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 143 फीसदी बढ़ा है।बड़ी संख्या में नए उपयोगकताओं के जुड़ने से ग्राहक जमा राशि बढ़कर 1,922 करोड़ रुपये हो गई। बैंक के पास अब 55.4 मिलियन मासिक लेनदेन करने वाले उपयोगकर्ता हैं, वार्षिक ग्रास मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 2,381 बिलियन रुपये है और वार्षिक आधार पर 1,600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व है।बैंक के लिए, राजस्व में यह वृद्धि, बाजार में उसके डिजिटल बैंकिंग समाधानों और वित्तीय सेवाओं सहित डिजिटल पेशकश की मजबूत पैठ के चलते हुई है, जिन्हें अधिक से अधिक लोग अपना रहे हैं। बैंक ने ग्राहकों द्वारा अपने कस्टमाइज्ड प्लांस के लिए मांग में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बैंक के सेविंग्स बैंक अकाउंट ग्राहकों को अतिरिक्त भुगतान करके वार्षिक आधार पर बीमा जैसे अतिरिक्त लाभ प्राप्त करने की सुविधा देते हैं।

अक्षय कुमार का सेंसर बोर्ड पर तंज

अक्षय कुमार ने बातों-बातों में सेंसर बोर्ड पर तंज कसा है। अक्षय ने कहा कि OMG-**2** पहली एडल्ट फिल्म है, जो टीनएजर्स के लिए बनी है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म को स्कूल में बच्चों को दिखाना चाहिए। हालांकि अक्षय की बात मुमकिन नहीं है क्योंकि फिल्म को अ सर्टिफिकेट मिला है।

18 साल से कम उम्र वाले यह फिल्म देखने के लिए एलिजिबल नहीं हैं। अक्षय फैंस का रिएक्शन जानने के लिए एक थिएटर आए थे। वहां उन्होंने ऑडियंस के साथ बातचीत की।

OMG-**2** सेक्स एजुकेशन पर बेस्ड फिल्म है। मेकर्स के मुताबिक, इसे 13 से 17 साल के बच्चों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था। हालांकि सेंसर बोर्ड ने इसे एडल्ट सर्टिफिकेट दे दिया। अब अक्षय ने कहा- कमाल की बात बताऊं। यह पहली एडल्ट फिल्म है, जो टीनएजर्स के लिए बनी है। वास्तव में इस फिल्म को स्कूल में दिखाना चाहिए।

वहां बैठी ऑडियंस से भी कुछ लोगों का कहना है कि वे पहले यौन संबंधी विषयों पर बच्चों से बात नहीं करते थे। अब फिल्म देखने के बाद वे अपने बच्चों के साथ पारदर्शिता रखेंगे। सोशल मीडिया पर लोग सेंसर बोर्ड के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि बोर्ड ने क्या सोच कर इस फिल्म को एडल्ट सर्टिफिकेट दिया है। यूजर्स के मुताबिक, इस फिल्म का जो सब्जेक्ट है, उसके बारे में जानने की आवश्यकता सबसे ज्यादा बच्चों को ही है।

फिल्म से तारीफ बटोर रहे एक्टर पंकज त्रिपाठी ने भी सेंसर बोर्ड के फैसले पर हैरानी जताई थी। उन्होंने फिल्म की रिलीज से पहले एक इवेंट में कहा था, 'गैंग्स ऑफ वासेपुर बनाते वक्त हमारे दिमाग में था कि फिल्म को किसी भी हाल में एडल्ट सर्टिफिकेट ही मिलेगा। लेकिन OMG-**2** के साथ बहुत हैरानी हुई। हमने बिल्कुल नहीं सोचा था कि फिल्म को अ सर्टिफिकेट मिलेगा। थोड़ा मलाल हो रहा है कि जिस एज ग्रुप को यह फिल्म देखनी चाहिए वे इसे नहीं देख पाएंगे।'

बता दें कि OMG-**2** की कहानी सेक्स एजुकेशन पर बेस्ड है। सेक्स एजुकेशन के अभाव में बच्चे अपना नुकसान कर लेते हैं। उन्हें कोई समझाने वाला नहीं होता, जिसकी वजह से वे गलत कदम उठा लेते हैं। यह फिल्म इसी मुद्दे को उठाती है। फिल्म इस बात की वकालत करती है कि हमारे स्कूलों में सेक्स एजुकेशन क्यों नहीं है।

निर्माता मेरा वेतन बढ़ा देंगे मनोज बाजपेयी

मनोज ने कहा कि इन रिपोर्ट्स को पढ़ने के बाद मुझे यही उम्मीद है कि निमार्ता मेरा वेतन बढ़ा देंगे। आगे जब मनोज से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी बड़ी रकम के लिए किसी प्रोजेक्ट को हां कहा है? इस पर वह कहते हैं कि मैं यह नहीं कर सकता हूं। अगर मेरे दिमाग में यह होता तो मैंने इसे 25 साल पहले ही कर दिया होता।

सितारों को लेकर कई बार कुछ ऐसी खबरें आ जाती है, जिसके बारे में सुनकर वह खुद भी हंस पड़ते हैं। ऐसी ही एक खबर का अभिनेता मनोज बाजपेयी ने मजाक उड़ाया है। पिछले दिनों खबरें आई थीं कि मनोज 170 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं।

उन्होंने एक साक्षात्कार में इन खबरों को अफवाह बताते हुए उनका मजाक उड़ाया। मनोज कहते हैं कि- मैं भी यह सोचता हूं कि काश ऐसा हो जाता। मैं अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने के लिए अब भी संघर्ष कर रहा हूं। मैंने अलीगढ़ और भोंसले जैसी फिल्में की हैं। उस तरह का पैसा इन फिल्मों में कमाना असंभव है। मैं अब भी अपने अकाउंट में पैसे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहा हूं।

उन्होंने आगे हंसते हुए कहा कि अब इन रिपोर्ट्स को पढ़ने के बाद मुझे यही उम्मीद है कि निमार्ता मेरा वेतन बढ़ा देंगे। आगे जब मनोज से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी बड़ी रकम के लिए किसी प्रोजेक्ट को हां कहा है? इस पर वह कहते हैं कि मैं यह नहीं कर सकता हूं। अगर मेरे दिमाग में यह होता, तो मैंने इसे 25 साल पहले ही कर दिया होता। मैं केवल पैसे के लिए काम नहीं कर सकता हूं। मेरे लिए मेरी कला सबसे महत्वपूर्ण है।

मरते दम तक करूंगी एक्टिंग - भूमि पेडनेकर

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार हैं, जो प्लान बी के साथ तैयार रहते हैं। यानी अगर अभिनय का काम न चले, तो वह कोई और पेशा चुन लेते हैं। बाला फिल्म अभिनेत्री भूमि पेडणेकर का कहना है कि उन्होंने कभी अपने लिए प्लान बी नहीं बनाया। एक साक्षात्कार के दौरान भूमि ने कहा, दूसरे करियर का विकल्प मैंने कभी नहीं रखा। मुझे लगता है कि मैं मरते दम तक अभिनय करूंगी। वैसे किसी भी पेशे में विविधता होना अच्छी बात होती है, वह आपके पोर्टफोलियों को बढ़ाता ही है। आपके लिए कब कौन सा काम चल जाए, पता नहीं होता है।

शुभ मंगल ज्यादा सावधान, बधाई दो जैसी संदेशात्मक फिल्मों का हिस्सा रहीं भूमि क्या आगे भी ऐसी ही फिल्में करना चाहेंगी, जिसमें कोई संदेश हो? इस पर वह कहती हैं मैं अपनी पहली ही फिल्म से एक तरह के जानर का हिस्सा रही हूं। सच कहूं, तो मुझे कॉमेडी बहुत पसंद है। शुभ मंगल ज्यादा सावधान, बाला इन सब फिल्मों का सुर मजेदार था, थोड़ी बहुत कॉमेडी के साथ एक अच्छा सा संदेश भी था।

अगर फिल्मों में संदेश भी जुड़ जाए, तो कलाकार के लिए अच्छी बात ही होती है। कलाकार होने के नाते मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना पसंद करती हूं, जिसका लोगों पर सकारात्मक असर पड़े। आगे भूमि ने बताया कि इस साल को उन्होंने अपनी सेहत के लिए समर्पित किया है। भूमि कहती हैं, मैं अपनी सेहत को काफी समय से अनदेखा कर रही थी। अब मैं अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए चीजें चुन रही हूं। भूमि आगामी दिनों में फिल्म द लेडी किलर में नजर आएंगी।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .